		Time Allotted
5.	Statutory Resolution seeking disapproval of the Industrial reconstruction Bank (Transfer of Undertakings and Repeal Ordinance, 1997.	2 HOURS
6.	Consideration and passing of the Industrial Reconstruction bank (Transfer of Undertakings and Repeal) Bill, 1997, after it has been passed by Lok Sabha.	(To be discussed together)
7.	Statutory Resolution seeking disapproval of Depositories Related laws (Amendment) Ordinance, 1997.	1 HOUR
8.	Consideration and passing of the Depositories Related Laws (Amendment) Bill, 1997, after it has been passed by Lok Sabha.	(To be discussed together)
9.	General Discussion on Railway Budget for 1997-98.	3 days

The Committee recommended that Government Legislative Business may be taken up on Thursday, the 6th March, 1997, instead of Private members' legislative Business scheduled for that day.

RE: QUESTION OF PRIVILEGE

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिम बंगाल): मैडम, मेरा एक प्रिविलेज का सवाल है। मैंने चैयरमेन साहब के नाम से नोटिस दिया है।

†[जनाब मोहम्मद सलीम: मैडम, मेरा एक प्रिविलेज का सवाल है। मैंने चैयरमेन साहब के नाम से नोटिस दिया है।]

उपसभापति: क्या प्रिविलेज है आप का?

श्री मोहम्मद आजम खान (उत्तर प्रदेश): मैडम, यह ऐसा है कि.....

उपसभापति: आप ने दिया है या उन्होंने दिया है?

श्री मोहम्मद आजम खान: मैडम, मेरा भी है। पूर्व गृह मंत्री जी ने एक स्टेटमेंट दिया है जिस का मेरे पास टी०वी० कैसेट भी है। इस स्टेटमेंट और 6 दिसम्बर को जब बाबरी मस्जिद का डिमालीशन हुआ था, उस समय के स्टेटमेंट में बिल्कुल विरोधाभास है। जो उस वक्त होम मिनिस्टर ने कहा, वह स्टेटमेंट अलग है और जो बाद में कहा गया, वह स्टेटमेंट अलग है। इसी संबंध में मैंने प्रिविलेज नोटिस आप को दिया है। यह मेरा विषय बनता है। मैडम, यह सदन की जानकारी में आना चाहिए और देशवासियों की जानकारी में भी आना चाहिए कि गृह मंत्री जी ने उस वक्त यह कहा था प्रधान मंत्री जी को बचाते हुए कि सारी सुरक्षा की जा रही है और उत्तर प्रदेश सरकार की सुरक्षा की जो भी...

उपसभापति: आप ने प्रिविलेज का पैटर दिया है, अब चैयरमेन साहब जो निर्णय लेंगे तो आप को बताएंगे।

श्री मोहम्मद आजम खान: मैडम, इस में कोई समय-सीमा?

उपसभापति: यह तो चैयरमेन साहब जैसे ही परमीशन देंगे, वह हाउस को बता देते हैं।

श्री मोहम्मद सलीम: मैडम, मैं चर्चा नहीं करना चाहता हूं, लेकिन प्रिविलेज नोटिस है....

†[जनाब मोहम्मद सलीम: मैडम, मैं चर्चा नहीं करना चाहता हूं, लेकिन प्रिविलेज नोटिस है...]

उपसभापति: आप का भी उसी से संबंधित है?

श्री मोहम्मद सलीम: जी हां, इसी से संबंधित है और वह यह है कि सदन में पहले कई बार यह सवाल उठा है अब तत्कालीन जो गृह मंत्री हैं, वह टेलिविजन पर आज जो कह रहे हैं, वही बात अगर सदन में कहते तो यह सवाल प्रिविलेज का नहीं बनता या तत्कालीन प्रधान मंत्री जिस तरह से खामोश रहे, वैसे वह भी खामोश रहते तो यह सवाल नहीं बनता। ...(व्यवधान).....

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

†[शफ़ी मोहम्मद सलीम : जी हाँ-इसी से सम्बन्धित है। और वह यह है कि सदन में पहले कई बार यह सवाल उठाया है अब तक्कालीन जो कांग्रेस मंत्री हैं-वह कैमिकल मिनिस्टर आज जो कि सदन में हैं वही बात अगर सदन में कहते तो यह सवाल प्रिविलेज कमेटी में भेजा जाता तक्कालीन प्रधान मंत्री जैसे मेरे से खामोश रहे वैसे वह भी खामोश रहते तो यह सवाल नहीं था। ...''मदाखलत''...]

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया (बिहार): प्रिविलेज का नोटिस जब सभी दे गया, ...(व्यवधान)... देखिए, उसके बाद क्या इस पर बहस करने की क्या जरूरत है। ...(व्यवधान)...

SHRI SATISH AGARWAL (Rajasthan): Madam, have you given permission for raising it here? *(Interruptions)*

उपसभापति: आपने कहा कि चेयरमैन साहब को नोटिस दे दिया है। जब भी चेयरमैन साहब निर्णय लेंगे मैं आपको बता दूंगी।...(व्यवधान...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: मैडम, क्या प्रिविलेज के नोटिस के बाद उस पर बहस होती है? अगर चेयरमैन साहब यहां बैठे हों और तब आप यहां प्रिविलेज पेश करते, तब तो आप दलील दे सकते थे, किन्तु जब आप चैम्बर में चेयरमैन साहब को दे चुके हैं तो उसके बारे में यहां बहस नहीं कर सकते।...(व्यवधान)...जब चेयरमैन साहब उसको पास कर देंगे प्रिविलेज कमेटी में...(व्यवधान)...

श्री मोहम्मद सलीम: नए तरीके से आप कानून सिखाएंगे?...(व्यवधान)...

†[शफ़ी मोहम्मद सलीम : नये तरीके से आप कानून सिखायेंगे-...''मदाखलत''...]

SHRI S.S. AHLUWALIA: You have already given notice to the Chairman. You cannot discuss this matter in the House. *(Interruptions)* You cannot discuss this matter in the House. Let the Chairman decide on it first, then it will go to the Privileges Committee and that Committee will submit its report to the House. *(Interruptions)*

श्री मोहम्मद सलीम: मैडम, आप तो हमारे बहुत ज्ञानी व्यक्ति हैं। इन्हें तो मालूम है।...(व्यवधान)...

†[शफ़ी मोहम्मद सलीम : मैडम-आप तो हमारे बहुत पुराने वरिष्ठ सदस्य हैं इनको तो मालूम है-...''मदाखलत''...]

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: मुझे अच्छी तरह से मालूम है कि अगर सदन में ही कोई प्रिविलेज मोशन समिट करना हो तभी आप उस पर चर्चा कर सकते हैं, किन्तु पहले ही समिट कर चुके हों तो सदन में बहस नहीं कर सकते। मैडम, सीधा सा सवाल है। ...(व्यवधान)...

श्री मोहम्मद सलीम: यह प्रिविलेज नोटिस मैंने दिया है।...(व्यवधान)....

†[शफ़ी मोहम्मद सलीम : यह प्रिविलेज नोटिस में दे दिया है-...''मदाखलत''...]

उपसभापति: प्लीज कोई बहस न करें।...(व्यवधान)... आप बैठिए। मैं बहस की इजाजत नहीं दे रही। *(Interruptions)* I am not allowing any discussion. *(Interruptions)* No discussion is taking place. *(Interruptions)*

SHRI S.S. AHLUWALIA: Madam, how are they discussing it then?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Where is the discussion taking place They are saying that they want...*(Interruptions)*

SHRI S.S. AHLUWALIA: How are they pleading...? Once they have given notice, they cannot plead in the House. Till the report comes, they cannot discuss

it here. *(Interruptions)* You can raise it during the Zero Hour. *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. *(Interruptions)* I am not permitting any discussion on privileges. It is with the Chairman. *(Interruptions)* I am not allowing.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA West Bengal): Madam, may I make a small point? *(Interruptions)* Madam, every Minister swears by Cabinet Secrecy. I am not on privileges, I am on a different thing. Whenever a person is sworn in as Minister, he takes oath and he says before the country that he will maintain the secrecy. *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, what is this? *(Interruptions)*

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: The point is: Has anyone violated the Oath Secrecy? *(Interruptions)*

श्री विष्णु कान्त शास्त्री: माननीय उपसभापति जी, आपकी आज्ञा का उल्लंघन कर रहे हैं ...(**व्यवधान**)... यह क्या बात है। हम भी सीधे बोलना शुरू कर देंगे, माननीय। ...(**व्यवधान**)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: If anyone violates the Oath of Secrecy, it becomes a serious matter. *(Interruptions)*

SHRI S.S AHLUWALIA: Once a notice is submitted to the hon. Chairman, you cannot raise it here. *(Interruptions)*

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: As I said, violation of Oath of Secrecy is a serious thing. If it is not controlled, it will have serious consequences. *(Interruptions)* Madam, we are having a Government of multiple parties. If we allow it, it will have serious consequences. *(Interruptions)*

SHRI S.S. AHLUWALIA: Madam, what is happening here? *(Interruptions)* How is he speaking? *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. *(Interruptions)* Mr. Ahluwalia, please sit down.

SHRI S.S. AHLUWALIA: Madam, they cannot raise it here. *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Ahluwalia, please sit down. I can handle this matter. *(Interruptions)* I am capable of handling this.

SHRI S.S AHLUWALIA: How is he speaking without any permission?

THE DEPUTY CHAIRMAN: You sit down. *(Interruptions)* Mr. Ahluwalia, you sit down. How are you speaking without my permission?

SHRI S.S. AHLUWALIA: How is he speaking? He is accusing...*(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: You please sit down. *(Interruptions)* I will handle this matter. *(Interruptions)* You please sit down.

SHRI S.S. AHLUWALIA: Madam, I am not in favour of...*(Interruptions)*

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, the Oath of Secrecy... *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. I am not allowing it.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, the Oath of secrecy...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not allowing you. I am not allowing anybody. *(Interruptions)* Just keep quiet. Everybody should keep quiet.

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI CHATURANAN MISHRA): Madam,...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just one second please. Privilege notices are always given by the Members on issues. In this matter, as you have said, a sitting Member of this House is involved. I think a notice will have to be given to the sitting Member on the privilege. It cannot be taken up like this. You have given your notice. Let the Chairman and the Secretariat follow whatever procedure is required to be followed. I will report to the House whatever the Chairman decides. So, this matter is closed now.

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली): यह तो बहुत ही अच्छा हुआ।...(**व्यवधान**)....

THE DEPUTY CHAIRMAN: We are not discussing it now. *(Interruptions)* I am not allowing any more discussion since the matter is closed. Mr. Venkateswarlu, please.

ANNOUNCEMENT RE. GOVERNMENT BUSINESS FOR THE WEEK COMMENCING 3RD MARCH, 1997

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN AFFAIRS AND EMPLOYMENT AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (DR. U. VENKATESWARLU): Madam, with your permission I rise to announce that Government Business during the week commencing Monday, the 3rd March, 1997 will consist of:—

1. Further discussion on the Motion of Thanks on the President's Address.

श्री नरेन्द्र मोहन (उत्तर प्रदेश): मैडम, एक पर्चा फेंका गया है ऊपर से, मैंने आपके पास भिजवा दिया है, तमिलनाडु के किसानों की तरफ से।

THE DEPUTY CHAIRMAN: We cannot take it up. You should not mention it also. Dr. Venkateswarlu, please sit down for a moment. ...*(Interruptions)*...Now that matter is over....*(Interruptions)*... That matter is over.

श्री नरेन्द्र मोहन: मैडम, सदन में इस तरह से एक हाउस में पर्चा फेंका जाना....

उपसभापति: उसके बारे में इस तरह से मेंशन नहीं करते हैं। अभी कल जो किताब रिलीज हुई है, वह पूरी तरह से पढ़ लीजिए आप।

I will recommend to every Member... ..*(Interruptions)* ...I noticed it. You think that I did not see it? I see everything in front of me. I notice everything in the House—even the slightest movement. The thing is that there are certain proprieties. Some people behave in some way from the gallery and we don't take note of it. They should not do it, but somebody did it. Okay.

DR. U. VENKATESWARLU: Madam, I have not completed yet.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You have not completed? I thought you had completed it. ...*(Interruptions)*... Let him complete it.

DR. U. VENKATESWARLU:

2. Discussion on the Statutory Resolution seeking disapproval of the Lalit Kala Akadami (Taking over of Management) Ordinance, 1997 and consideration and passing of the Lalit Kala Akademi (Taking over of the Management) Bill, 1997.

3. Discussion on the Statutory Resolutions seeking disapproval of the following Ordinances and consideration and passing of the Bills replacing these Ordinances, as passed by Lok Sabha:—

   (a) The Special court (Trial and Offences Relating to Transactions in Securities) Amendment Ordinance, 1997.

   (b) The Industrial Reconstruction Bank (Transfer of Undertakings and Repeal) Ordinance, 1997.

   (c) The Depositories Related Laws (Amendment) Ordinance, 1997.

4. Discussion on the Statutory Resolution seeking disapproval of the National Highways Laws (Amendment) Ordinance, 1997 and consideration and passing of the National Highways Laws (Amendment) Bill, 1997.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Madam, I want to raise a point on this.

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली): मैडम, लोकपाल बिल कब ला रहे हैं? लोकपाल बिल ला रहे हैं या नहीं? इन्होंने एजेंडा बताया है हफ्ते का, उसमें लोकपाल बिल नहीं है।

THE DEPUTY CHAIRMAN: One second, please. Again I will have to say that you must read the book.